प्रारम्भिक (प्रथम खण्ड)
Prarambhik Part-I
गायन (VOCAL)
ख्याल एवं ध्रुपद

पूर्णांक : १०० शास्त्र- २५, क्रियात्मक-७५

शास्त्र (Theory) मौखिक

(१) परिभाषा- संगीत,स्वर, आरोही, सम,ताली,खाली,अवरोही।
(२) शुद्ध तथा विकृत स्वरों का परिचय।
(३) संगीत स्वर मालिकाओं का परिचय।

क्रियात्मक (Practical)

(१) पांच सरल अलंकारों का अभ्यास।
(२) पाठ्यक्रम में निर्धारित राग समूहों के आरोह,अवरोह को ठाह तथा दुगुन में गानें का अभ्यास।
(३) निम्नलिखित रागों में से दो स्वर मालिका, एक लक्ष्णगीत तथा एक छोटा ख्याल जानना आवश्यक है। (ध्रुपद गायन के परीक्षार्थियों को ख्याल के बदले में एक ध्रुपद विलम्बित लय में गानें का अभ्यास आवश्यक है।)

निर्धारित राग

बिलावल अथवा अल्हैया बिलावल, यमन तथा भूपाली।

(४) निम्न तालों का ताली खाली सहित बोल बोलनें का अभ्यास- ख्याल गायन के लिये तीन ताल, कहरवा, चौताल व ध्रुपद गायन के लिये. कहरवा, चौताल व सूलताल।

टिप्पणी- शास्त्र की परीक्षा मौखिक होगी।

Scanned by CamScanner

प्रारम्भिक पूर्ण
Prarambhik Final
गायन (VOCAL)
ख्याल एवं ध्रुपद

पूर्णांक : १०० शास्त्र- २५, क्रियात्मक-७५

शास्त्र (Theory) मौखिक

(१) परिभाषा- स्थाई, अन्तरा, संचारी, आभोग, वादी, सम्वादी, ताल, मात्रा, तथा थाट।

(२) भारतीय संगीत की दो मुख्य पद्धतियों का ज्ञान।

(३) पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का सामान्य परिचय जानना आवश्यक है।

(४) विष्णुदिगम्बर जी का परिचय ।

क्रियात्मक (Practical)

(१) पाठ्यक्रम के अन्तर्गत राग समूह में आरोह एवं अवरोह के साथ पांच अलंकारों का अभ्यास।

(२) पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों के आरोह,अवरोह को ठाह, दुगुन तथा चौगुन लय में गानें का अभ्यास।

(३) निम्नलिखित राग समूह में दो स्वर मालिका, एक लक्षण गीत तथा दो छोटे ख्याल जानना आवश्यक है।

ध्रुपद गायन के परीक्षार्थियों को ख्याल के बदले दो ध्रुपद विलम्बित लय तथा दुगुन लय में गानें का अभ्यास आवश्यक है-

निर्धारित राग- काफी, खमाज और भैरव।

(४) निम्नलिखित तालों के बोलों को ताली, खाली सहित बोलने की क्षमता।

ख्याल गायन के लिए निंधारित ताले- दादरा, कहरवा, त्रिताल ।

ध्रुपद गायन के लिए-झपताल, चौताल और सूलताल।

टिप्पणी - पूर्व वर्ष का पाठ्यक्रम संयुक्त रहेगा।

Scanned by CamScanner